

वराहमिहिर वचन

नवम्बर माह के प्रत्येक दिवस को अनुकूल व सफलता युक्त बनाने के उपाय

दीपावली महालक्ष्मी पर्व पर सपरिवार कैलाशसिद्धाश्रम, जोधपुर में आने से महालक्ष्मी की चेतनाओं से जीवन सुखमय होगा।

कार्तिक मास में महालक्ष्मी की विधि अनुसार पूजा साधना सम्पन्न करने से ही लक्ष्मी पूर्णरूपेण वश में रहती है। इसी हेतु वैदिकमंत्रों से पूर्ण अभिमंत्रित सामुज्य रूप में पारद गणपति-लक्ष्मी विग्रह, लक्ष्मी चरणपादुका, धनवन्तरी देव व सद्गुरु का चेतन्य ताम्रपत्र, रिद्धि-सिद्धि जीवट, चेतन्य पारद लक्ष्मी लॉकेट, मंत्र जप हेतु शिव गौरी लक्ष्मी रुद्राक्ष माला व निरन्तर लक्ष्मी का आगमन बना रहें इसी हेतु लक्ष्मी वंदन द्वार माला प्राणप्रतिष्ठित चेतन्य की गयी है। विधिसहित सुरक्षित रूप से भेजी जायेगी।

सद्गुरु सानिध्य में परिवार सहित पूजन उपरांत दीक्षायें प्रदान की जायेगी।

- 01 कार्तिक कृष्ण पक्षीये सवार्थ सिद्धि रवि पुष्य योग युक्त कालाष्टमी पर्व पर काल भैरव दीक्षा ग्रहण करें।
दीक्षान्यौछावर ₹1500
सूर्य तेजस्वी लिंगेश्वर ज्योर्तिर्लिंग साधना महो. बिछिया (मंडला) में सम्पन्न होगा।
03. अष्ट सिद्धि नव निधि दस महाविद्या साधना महो., जेवरा सिरसा (दुर्ग) में सम्पन्न होगा।
05. आने वाले पंच दिवसीय महालक्ष्मी दीपावली पर्व को सपरिवार प्रत्यक्ष रूप में नूतन चेतन्य सामग्री से पूजा साधना प्रारम्भ करें।
06. धनवन्तरी प्राकट्य पर्व पर पूर्ण आरोग्यमय शतायु जीवन प्राप्ति हेतु दीक्षा ग्रहण कर 13 दीपक प्रज्ज्वलित करें।
07. रूप सौन्दर्य सम्मोहन आकर्षण से ही साधक निरन्तर सक्रिय क्रियाशील रहता है। इस हेतु सर्व वशीकरण अमितविक्रम जीवट युक्त दीक्षा ग्रहण करें।
दीक्षान्यौछावर ₹2100
08. स्वाति आयुष्मान सौभाग्य चतुष्पाद अभिजित योगमय महालक्ष्मी पर्व पर परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग सुभाव चिन्तन से दीक्षा ग्रहण करने से लक्ष्य-लक्ष्य गुणा कामना पूर्ति हो सकेगी।
10. गोवर्धन पूजा पर्व पर अन्नकूट का अपने ईष्ट रूपी सद्गुरुदेवजी को भोग लगाने से अन्न व धन की कमी नहीं रहती है।
11. परिवार में पिता, भाई, पुत्र, पौत्र के जीवन में भय डर अकाल मृत्यु की विषमतायें नहीं रहें। इसी हेतु अनुराधा ज्येष्ठा गणपति चेतनामय भाई दूज पर्व पर दीक्षा से अभिभूत होने से जीवन पूर्ण निरोगमय शतायु युक्त रहे सकेगा।
दीक्षान्यौछावर ₹1800
15. विंध्यवासिनी बिलाई माता सर्व शत्रुहंता सौभाग्य धनदा साधना महो., धमतरी (छ.ग.) में बनाया जायेगा।
18. द्वादश ज्योर्तिर्लिंगमय भौरमदेव महामृत्युंजय गौरी लक्ष्मी साधना महो., कर्वधा (छ.ग.) में सम्पन्न होगा।
21. तुलसी विवाह पर्व पर पति-पत्नी सामुज्य रूप से दीक्षा ग्रहण करते हैं। तो माता तुलसी की तरह दोनों का जीवन सुखदमय हरा भरा रहता है।
दीक्षान्यौछावर ₹2100
22. कार्तिक पूर्णिमामय भगवती नारायण निखिल चेतना आत्मसात् साधना महोत्सव नागपुर (महा) में सम्पन्न होगा।
24. जीवन्त जाग्रत सर्वार्थ सिद्धि देव दीपावली सुखदा प्राप्ति साधना महो., बसना (छ.ग.) में सम्पन्न होगा।
28. शनिश्चरिय पंचमी दिवस को पांच रोटी काली गाय को खिलाने से शनिदोष संताप समाप्त होते हैं।
30. सप्त सुखदा प्राप्ति हेतु ताम्रपत्रमय द्वादश ज्योर्तिर्लिंग पर पंचद्रव्य से अभिषेक सम्पन्न करें।

काल निर्णय

ब्रह्म मुहूर्त का समय प्रातः 4:24 से 6:00 बजे तक ही रहता है।

दिवस	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
नवम्बर	22, 29	16, 23, 30	17, 24	18, 25	19, 26	20, 27	21, 28
दिसम्बर	06, 13	07, 14	01, 08, 15	02, 09	03, 10	04, 11	05, 12
श्रेष्ठ समय दिन	07:36 से 10:00 12:24 से 02:48	06:00 से 09:12 09:12 से 10:48 01:12 से 06:00	06:00 से 07:36 10:00 से 10:48 12:24 से 02:48	06:48 से 08:24 08:24 से 11:36	06:00 से 06:48 10:48 से 12:24 03:00 से 06:00	09:12 से 10:30 12:00 से 12:24 02:00 से 06:00	10:48 से 02:00 05:12 से 06:00
श्रेष्ठ समय रात	07:36 से 09:12 11:36 से 02:00	08:24 से 11:36 02:00 से 03:36	08:24 से 11:36 02:00 से 03:36	06:48 से 10:48 02:00 से 04:24	10:00 से 12:24	08:24 से 10:48 01:12 से 02:00	08:24 से 10:48 12:24 से 02:48 04:24 से 06:00